

उत्तराखण्ड सरकार द्वारा चारधाम यात्रा की तैयारी के लिये समिति का गठन चर्चा में क्यों?

हाल ही में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अधिकारियों को आगामी [चारधाम यात्रा](#) की तैयारी के लिये एक समिति गठित करने का निर्देश दिया।

प्रमुख बिंदु:

- मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को नमिनलखिति निर्देश भी दिये:
 - चारधाम मार्गों एवं संवेदनशील क्षेत्रों पर **सीसीटीवी** लगाया जाना।
 - सरकार के स्तर से **सभी चारधामों की लाइव मॉनिटरिंग** की जानी चाहिये तथा **आपदा कन्ट्रोल रूम** को सुचारु रूप से संचालित किया जाना चाहिये।
 - प्लास्टिक मुक्त चारधाम यात्रा** सुनिश्चित करना।
 - सभी धामों में 24 घंटे वदियुत आपूर्ति सुनिश्चित किया जाना। रास्तों पर स्ट्रीट लाइटें भी लगाई जाएं।
 - चिकित्सा एवं अपेक्षित स्टाफ** की तैनाती के साथ-साथ यात्रा रास्तों पर अस्थायी चिकित्सा केंद्रों में जीवन रक्षक औषधियाँ, उपकरण, पोर्टेबल ऑक्सीजन सिलिण्डर एवं एंबुलेंस/एयर एंबुलेंस की व्यवस्था।
 - घोड़ों एवं खच्चरों में बीमारियों की रोकथाम के लिये रास्तों पर पशु चिकित्सकों की तैनाती।
 - सुरक्षा बलों की तैनाती की व्यवस्था।**
 - तीर्थयात्रा अवधि के दौरान यातायात प्रबंधन के लिये अतिरिक्त अधीक्षक और उससे ऊपर के रैंक के पुलिस अधिकारियों की नियुक्ति।

नोट:

- यमुनोत्री धाम:**
 - स्थान:** उत्तरकाशी ज़िला
 - को समर्पित:** यमुना नदी देवी
 - गंगा नदी के बाद यमुना नदी भारत की दूसरी सबसे पवित्र नदी है।
- गंगोत्री धाम:**
 - स्थान:** उत्तरकाशी ज़िला
 - को समर्पित:** गंगा नदी देवी
 - सभी भारतीय नदियों में सबसे पवित्र।
- केदारनाथ धाम:**
 - स्थान:** रुद्रप्रयाग ज़िला
 - को समर्पित:** भगवान शिव
 - यह मंदाकनी नदी के तट पर अवस्थित है।
 - भारत में 12 ज्योतिर्लिंगों (भगवान शिव के द्रव्य प्रतनिधित्व) में से एक।
- बद्रीनाथ धाम:**
 - स्थान:** चमोली ज़िला
 - पवित्र बद्रीनारायण मंदिर के लिये प्रसिद्ध।
 - को समर्पित:** भगवान वशिष्ठ।
 - वैष्णवों के पवित्र तीर्थस्थलों में से एक।

